साफ्ट पावर भी बढ़ा रहे स्टार्टअप्स

2022-23 में भारतीय स्टार्टअप्स ने फाइल किए 83 हजार पेटेंट

नई दिल्ली, प्रेट्र: देश के स्टार्टअप्स लोगों को रोजगार देने के साथ देश की साफ्ट पावर भी बढ़ा रहे हैं। भारत में नवाचार या इनोवेशन की अद्भुत क्षमता है। सरकार की उदार नीतियों के कारण स्टार्टअप्स ईकोसिस्टम फल फूल रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय स्टार्टअप्स ने 83 हजार पेटेंट फाइल किए हैं।

पेटेंट फाइल करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), इंटरनेट आफ थिंग्स और न्यूरो टेक्नोलाजी स्टार्टअप आगे रहे। सरकार ने स्टार्टअप और एमएसएमई के आइपी पंजीकरण के लिए सब्सिडी देने के साथ ही अनुसंधान का ईकोसिस्टम बनाने में भी भरपूर मदद की है। नेशनल एसोसिएशन आफ साफ्टवेयर एंड सर्विसेज कंपनीज (नैसकाम) ने शुक्रवार को अपने वार्षिक 'भारत में पेटेंट रुझान' अध्ययन का सातवां संस्करण जारी किया। इसमें बौद्धिक संपदा अधिकार के साथ डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने का विशेष उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 में पेटेंट दाखिल करने में 24.6 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर पिछले दो दशकों के बाद सर्वाधिक है। भारत में महिलाओं द्वारा दायर पेटेंट की हिस्सेदारी एक साल पहले के 10.2 प्रतिशत से बढ़कर 11.6 प्रतिशत हो गई है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कुल पेटेंट फाइलिंग में 9.3 प्रतिशत के साथ तमिलनाडु ने महाराष्ट्र (6.8 प्रतिशत का योगदान) को पीछे छोड़ शीर्ष स्थान हासिल किया है। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2018-19 और वित्त वर्ष 2022- 23 के बीच दिए गए पेटेंट की संख्या में दो गुना से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। नैसकाम ने अनुमान लगाया कि मार्च 2023 और मार्च 2024 के बीच एक लाख से अधिक पेटेंट दिए जाने का अनुमान लगाया है। पिछले दशक में निवासियों द्वारा दायर पेटेंट का अनुपात लगभग दोगुणा हो गया है। यह वित्तीय वर्ष 2018-19 में कुल फाइलिंग के 33.6 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2022- 23 में 50 प्रतिशत से अधिक हो गया है। अध्ययन में कहा गया है, भारत का इनोवेशन पर जोर बढ़ रहा है। प्रमुख भारतीय स्टार्टअप्स द्वारा 2008 के बाद से 900 से अधिक पेटेंट दाखिल करने के साथ-साथ अन्य देशों द्वारा भारत में 32 हजार पेटेंट सहयोग संधि आवेदन जमा करना इसका प्रमाण है।